**Today’s Poem – 26.09.2014**

**तुम्हारा काम है अपने आपसे बातें कर पावन बनना**

**दूसरी आत्माओं के चिंतन में अपना टाइम वेस्ट मत करना**

**हम बेहद बाप की सन्तान हैं**

**हमारा कुल महान है**

**अपनी उन्नति का ही चिंतन करना**

**दूसरी किसी भी बात में नहीं जाना**

**पढ़ाई और याद पर पूरा अटेंशन देना**

**अब बाप डायरेक्ट आये हैं इसलिए अपना सब-कुछ युक्ति से ट्रासफर कर देना**

**पतित आत्माओं से लेन-देन नहीं करना**

**विद् ऑनर स्वर्ग में चलने के लिए पवित्र जरूर बनना**

**अगर बनना है बाप समान**

**समझना, चाहना और करना यह तीनों हों एक समान**

**मेरा बाबा**

**ओम् शान्ति !!!**

****